दैनिक
उत्तराखण्ड प्रहरी

वर्ष 15 /अंक 97 / पृष्ठ 8
हरिद्वार, सोमवार, 05 जून 2023
uttarakhandprahari19@gmail.com | e-paper: uttarakhandprahari.com
उत्तराखण्ड का सबसे विश्वसनीय मीडिया पार्टनर
RNI No. : - UTTHIN/2009/27592

मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों एवं कोच को बर्लिन, जर्मनी में होने
जलवायु परिवर्तन और पर्वतीय आजीविका

मूल्य- 2 रु.

धर्मनगरी हरिद्वार में यातायात व्यवस्था धड़ाम, शहर से लेकर हाईवे तक जाम ही जाम

वासुदेव राजपूत, ब्यूरो

हरिद्वार। ज्येष्ठ पूर्णिमा और वीकेंड पर हरिद्वार में शहर से लेकर हाईवे तक जाम, जाम और सिर्फ जाम। वीकेंड और ज्येष्ठ पूर्णिमा पर रविवार को हरिद्वार में लाखों यात्रियों की आमद से व्यवस्था गड़बड़ा गई। यात्रियों के वाहनों के दबाव से शहर से लेकर हाईवे तक घंटों जाम लगा, जिससे गर्मी में यात्री पसीना पसीना होते रहे। इस दौरान पुलिस की सारी व्यवस्थाएं धरी की धरी रह गईं। हाईवे चौड़ीकरण के बाद भी जाम से मुक्ति नहीं मिल पा रही। हालत यह है कि दिल्ली से हरिद्वार पहुंचने में अब केवल तीन घंटे लग रहे हैं, लेकिन यहां से बाहर निकलने में भी इतना ही या इससे अधिक का समय लग रहा।

रविवार को हाईवे के साथ शहर के अंदर जाम लगने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। रविवार सुबह सात बजे से ही ललतारौ पुल, चंडी घाट चौक पर जाम लगना शुरू हो गया था। जैसे-जैसे दिन बढ़ने लगा वैसे ही हाईवे पर भी वाहनों का दबाव नजर आने लगा। आठ बजे तक तो चंडी घाट की तरफ से बिरला पुल की तरफ आने व जाने वाले दोनों पुलों पर जाम लगने लगा। वहीं चंडी घाट पर भी जाम लग गया। सुबह नौ बजे तक ऋषिकुल से लेकर शांतिकुंज तक जाम लगने से वाहनों को खिसकना भी मुश्किल हो गया। 10 बजते ही हरिद्वार हाईवे पर कई किमी मीटर लम्बा जाम लग गया। यातायात पुलिस पूरे हाईवे या शहर के मुख्य मार्गों पर कहीं भी नजर नहीं आई। जैसे-तैसे यात्री खुद ही जाम से जूझते हुए आगे बढ़ते रहे।

रेलवे स्टेशन से लेकर शिवमूर्ति व सिटी पोस्ट ऑफिस, हर की पौड़ी, भीमगोडा, खड़खड़ी, भूपतवाला तक चिलचिलाती धूप में यात्री परेशान नजर आए। शहर के यातायात को लेकर यातायात पुलिस कोई ठोस योजना नहीं बना पा रही है। शहर के प्रमुख मार्गों व छोटी गलियों में ई-रिक्शा व ऑटो भी स्थानीय लोगों के साथ आमजन की समस्या भी बढ़ा रहे हैं। ऑटो व ई-रिक्शा गलियों में जाने से जाम लग रहा है। सुबह से हाईवे पर वाहनों का दबाव रहा। पंडित दीन दयाल पार्किंग फुल रही। अन्य पार्किंग भी वाहनों से भरी रही। हाईवे के अलावा शहर में भी जाम की समस्या रही। भूपतवाला क्षेत्र में फ्लाईओवर का निर्माण हो रहा है, जिससे दोनों तरफ की सड़क संकरी हो गई है। वाहनों का दबाव बढ़ते ही जाम लग रहा है। सोशल मिडिया पर जाम हरिद्वार बना चर्चा का विषय।

हर हर गंगे : ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर लाखों श्रद्धालुओं ने गंगा में लगाई आस्था की डुबकी

हरिद्वार। रविवार को ज्येष्ठ पूर्णिमा के अवसर पर धर्मनगरी हरिद्वार के हर की पौड़ी में लाखों श्रद्धालुओं में गंगा में आस्था की डुबकी लगाई। हर बार की तरह इस बार भी ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भक्तों का तांता गंगा घाट पर लग गया। श्रद्धालओं ने हरिद्वार के हर की पौड़ी ब्रह्मकुंड सहित गंगा के विभिन घाटों में गंगा स्नान किया। स्नान के बाद हरिद्वार में स्थित देवी-देवताओं के मंदिरों में जाके पूजा अर्चना कर अपने तीर्थ पुरोहितों को अन्न दान द्रव्य दान वस्त्र दान देकर अपना व अपने कल्याण की कामना की। मान्यता है कि ज्येष्ठ पूर्णिमा पर गंगा स्नान करने से पापों का नाश होता है और मोक्ष की प्राप्ति होती है। ऐसे में बच्चों से लेकर बड़े भी गंगा में स्नान करते नजर आए। गर्मी के इस मौसम में बच्चे गंगा में आस्था की डुबकी के साथ-साथ मस्ती करते भी नजर आए।

एसएसपी ने कर्तव्य में लापरवाही बरते जाने पर चार पुलिसकर्मियों पर की कार्यवाही, महिला सिपाही भी शामिल

हरिद्वार। एसपी ट्रैफिक को गलत सूचना देना चार पुलिस कर्मियों को भारी पड़ गया। एसएसपी ने चारों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए लाईन हाजिर कर दिया है। विदित हो कि वीकेंड के दौरान तीर्थनगरी हरिद्वार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती है। जिस कारण से शहर चारों ओर से यात्रियों से पैक हो जाता है। यात्रियों के भारी संख्या में आ जाने के कारण इस दौरान जाम लगना सामान्य बात है। जाम से निजात दिलाने के लिए पुलिस प्रशासन को अतिरिक्त ट्रैफिक पुलिस की व्यवस्था करनी पड़ती है। ऐसे में जाम

लगने पर संबंधित ड्यूटी स्थल पर नियुक्त पुलिस फोर्स की कंट्रोल रूम से लोकेशन पूछे जाने पर एसपी क्राइम, ट्रैफिक रेखा यादव को गलत जानकारी देने पर कर्तव्य में लापरवाही बरते जाने के कारण एसएसपी अजय सिंह ने महिला कांस्टेबल सहित 04 पुलिसकर्मियों पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए पीसी पर तैनात चालक व हेड कांस्टेबल, कंट्रोल रूम में तैनात हेड कांस्टेबल व कोतवाली ज्वालापुर में तैनात महिला आरक्षी को लाइन हाजिर कर दिया। लाईन हाजिर करने वालों में हेड कांस्टेबल मोहम्मद अकरम, तुलसी चौहान, चालक चालक शमीम व आरक्षी पूनम भट्ट शामिल हैं।

जल्द ही खराब मौसम के बारे में टेलीविजन, रेडियो पर प्रसारित किए जाएंगे संदेश

नई दिल्ली। देश में जल्द ही टेलीविजन स्क्रीन पर खराब मौसम के बारे में चेतावनी संदेश प्रसारित किए जाएंगे और लोगों को सतर्क करने के लिए रेडियो पर गीतों को बीच में ही रोककर संदेश दिए जाएंगे। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने भारी बारिश, गरज के साथ बारिश और लू के बारे में अहम सूचनाएं प्रसारित करने के लिए मोबाइल फोन पर संदेश (टेक्स्ट मैसेज) भेजना शुरू किया है। अधिकारियों के अनुसार, अब उसकी योजना टेलीविजन, रेडियो तथा संचार के अन्य माध्यमों पर भी चेतावनी देने की है ताकि लोगों को तत्काल सूचना मिले और खराब मौसम से निपटने के लिए वे बेहतर तरीके से तैयार रहें। एनडीएमए के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई-भाषा से कहा, टेक्स्ट आधारित प्रणाली परियोजना के पहले चरण का हिस्सा है। दूसरे चरण में टीवी, रेडियो तथा अन्य माध्यमों को लाया जा रहा है जिसे साल के अंत तक लागू किया जाएगा।

ओडिशा में हुए ट्रेन हादसे पर विधायक उमेश कुमार ने जताया शोक

हरिद्वार,(उत्तराखंड प्रहरी)। शुक्रवार को ओडिशा के बालासोर जिले में कोरो मंडल एक्सप्रेस और बेंगलुरू-हावड़ा एक्सप्रेस ट्रेन के पटरी उतरने और एक मालगाड़ी टकराने से हुए हादसे में कई लोगों को दर्दनाक मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हो गए। रेल हादसे पर उत्तराखंड की खानपुर विधानसभा क्षेत्र के विधायक उमेश कुमार ने शोक व्यक्त किया है। दर्दनाक ट्रेन हादसे पर खानपुर विधायक उमेश कुमार ने दुख व्यक्त करते हुए ईश्वर से मृतकों की आत्मा को शांति प्रदान करने की प्रार्थना की है। विधायक उमेश कुमार ने कहा कि ओडिशा में हुए दर्दनाक ट्रेन हादसे में लोगों की मौत की खबर से दुःखी हूं। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की है। उन्होंने रेल हादसे में जान गवा चुके लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है। उन्होंने कहा कि भविष्य में ऐसी घटनाएँ घटित न हो इसके लिए सरकार को कार्यवाही करनी चाहिए।

उत्तराखंड प्रहरी
विज्ञापन बुक कराएं
वैवाहिक
रोजगार
श्रद्धांजलि
स्मरण
शिक्षा
संपत्ति
व्यावसायिक
बर्थ-डे पार्टी के लिए संपर्क करें।
नोट: संबंधित खबरें भी प्रकाशित होंगी।
संपादक: सुमित तिवारी
uttarakhandprahari19@gmail.com या whatsup no 8077771906 पर भी भेज सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने खिलाड़ियों एवं कोच को बर्लिन, जर्मनी में होने वाले इन खेलों के लिए शुभकामनाएं दी

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से रविवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड समर गेम्स में प्रतिभाग करने के लिए जा रहे खिलाड़ियों और कोच ने भेंट की। मुख्यमंत्री ने सभी खिलाड़ियों एवं कोच को 17 जून से 25 जून 2023 तक बर्लिन, जर्मनी में होने वाले इन खेलों के लिए शुभकामनाएं दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उत्तराखंड से स्पेशल ओलंपिक भारत एरिया के दो फुटसेल खिलाड़ी और तीन कोच का चयन जर्मनी में होने वाले स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड समर गेम्स के लिए हुआ है। 12 जून को ये खिलाड़ी जर्मनी के लिए रवाना होंगे। जिनमें फुटसेल खिलाड़ी हिमांशु बिष्ट और हर्षित कुमार, वॉलीबॉल कोच जगदीश चौहान, उपदेश उपाध्याय और फुटसेल कोच जितेंद्र कुमार का नाम है। इस अवसर पर स्पेशल ओलंपिक उत्तराखंड के निदेशक डी.बी.पी.एस रावत, जगदीश चौहान, अंकुर अग्रवाल, राजेश भट्ट एवं विजयलक्ष्मी उपस्थित थे।

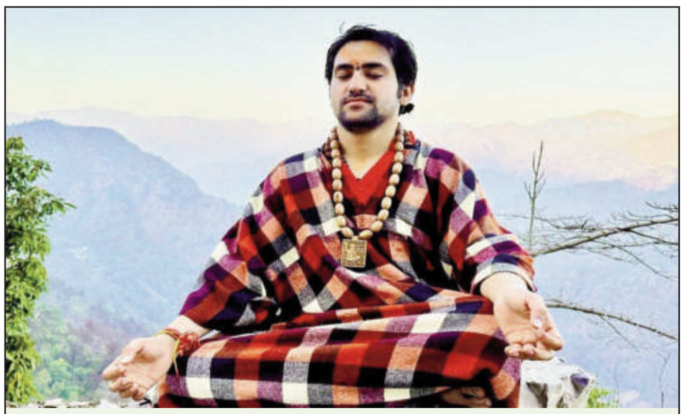

उत्तराखंड पहुंचे धीरेंद्र शास्त्री, कड़ी सुरक्षा के बीच बदरीनाथ धाम के लिए हुए रवाना

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

देहरादून। बागेश्वर धाम के मुखिया पंडित धीरेंद्र शास्त्री विशेष चार्टड प्लेन से जौलीग्रांट के देहरादून एयरपोर्ट पहुंचे। एयरपोर्ट से वो कड़ी सुरक्षा के बीच बदरीनाथ धाम के लिए रवाना हुए। धीरेंद्र शास्त्री विशेष विमान में सवार होकर सुबह 11 बजे एयरपोर्ट पहुंचे थे। रविवार सुबह एयरपोर्ट पर उनके पहुंचते ही उनके साथ फोटो खिंचवाने को भीड़ उमड़ पड़ी, लेकिन उनकी कड़ी सुरक्षा के कारण कुछ लोग ही उनके साथ फोटो खिंचवा पाए। जिसके बाद वह एयरपोर्ट से रवाना हो गए। उनके कार्यक्रम को गोपनीय रखा गया था। जिस कारण उनके एयरपोर्ट आने के बाद ही एयरपोर्ट कर्मियों को पता चला। लंबे समय से चर्चा में बने हुए मध्य प्रदेश के बाबा बागेश्वर धाम के पंडित धीरेंद्र शास्त्री इससे पहले उत्तराखंड पहुंचे थे। सोशल मीडिया पर पोस्ट एक वीडियो में उन्होंने बताया था कि वे दो से तीन दिन की यात्रा पर हैं। इसकी कड़ी में वे उत्तराखंड आए हैं। उनका कहना है कि वे उत्तराखंड के संतों को बागेश्वर धाम में होने वाले आयोजन का आमंत्रण देने आए हैं। वहीं, उन्होंने आचार्य बालकृष्ण से मुलाकात भी की है। इस दौरान उन्होंने अपने विरोधियों को नसीहत भी दी। उन्होंने कहा कि 'मिलकर सनातन का झंडा गाड़िए, कायदे में रहेंगे तो फायदे में रहेंगे'।

क्षेत्रवासियों की सुविधा के लिए जो भी कार्य होने हैं उन्हें शीघ्र पूरा किया जा रहा है : राजीव शर्मा

उत्तराखंड प्रहरी, ब्यूरो

हरिद्वार। शिवालिकनगर नगर पालिका अध्यक्ष राजीव शर्मा ने '50 दिन एक सौ पचास (150) काम' के अंतर्गत नवोदय नगर में सामुदायिक केंद्र के सामने वाली सड़क (कार्य नं 28), गोकुल धाम की सड़क (कार्य नं 29), आक्सफोर्ड स्कूल के पीछे नाली निर्माण (कार्य नं 30), देवनगर में ग्लोबल स्कूल के पास मैन रोड की नाली व आंतरिक गली की नाली (कार्य नं 31,32), श्री राम वेलफेयर सोसाइटी की मुख्य सड़क (कार्य नं 33), टिहरी विस्थापित कॉलोनी की सड़क (कार्य नं 34), शिवालिक गंगा विहार की गली नंबर ए-9 की सड़क (कार्य नं 35) तथा मैन रोड की 4 पुलियाओं (कार्य नं 36,37,38,39) के निर्माण कार्य का शुभारंभ किया। पहली बार बन रही इन सड़कों व नालीयो के निर्माण कार्य प्रारंभ होने पर स्थानीय निवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए अध्यक्ष राजीव शर्मा का फूल मालाओं और पुष्पगुच्छ के साथ स्वागत कर आभार प्रकट किया। इस अवसर पर अध्यक्ष राजीव शर्मा ने कहा कि क्षेत्रवासियों की सुविधा के लिए जो भी कार्य होने हैं उन्हें शीघ्र पूरा किया जा रहा है और जो कार्य रह गए हैं उन्हें भी जल्द से जल्द प्रारंभ कराया जाएगा उन्होंने कहा कि सड़क निर्माण का कार्य पूरा होने पर बरसात में जलभराव से मुक्ति मिलेगी और क्षेत्र वासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी। राजीव शर्मा ने कहा कि जिस प्रकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पूरे देश व मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को उत्तराखंड के हर कोने के विकास की चिंता है इन दोनों के मार्गदर्शन व इच्छाशक्ति के चलते ही यहां भी प्रत्येक कॉलोनी व क्षेत्र में सभी विकास कार्य कराये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि क्षेत्र का विकास हमारी प्राथमिकता है और इसके लिए हम निरंतर प्रयासरत हैं क्षेत्र में आवश्यकतानुसार सड़क, नाली, पुलिया निर्माण के कार्य गतिमान है और इस अभियान के अंतर्गत ही क्षेत्र की अधिकतर समस्याओं का समाधान हो जाएगा। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष कैलाश भंडारी, चैयरमेन प्रतिनिधि दीपक नौटियाल, मंडल उपाध्यक्ष रितु ठाकुर, मंडल मंत्री अशोक शर्मा, ओबीसी मोर्चा मंडल अध्यक्ष पवन सैनी, किसान मोर्चा मंडल महामंत्री सुनील कौशिक, युवा मोर्चा अध्यक्ष अंशुल शर्मा, भानुप्रताप सिंह, प्रदीप चंदेल, गौरव गुर्जर, देव विख्यात भाटी, वेदान्त चौहान, मुकेश रावत, कार्यकर्ता बंधु व अनेक क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

फोन और कंप्यूटर के दौर में बच्चों को कुछ अलग सिखाने के लिए समर कैंप कारगर है : डीके

समर कैंप से बच्चों को मिलेगी सीख,

योगिक प्रार्थना और सूर्य नमस्कार आसन आदि भी बच्चों को करवाए जाते हैं

उत्तराखंड प्रहरी, ब्यूरो

हरिद्वार। हरिद्वार के पुराना रानीपुर मोड़ स्थित नेक्स्ट स्टेप डांस एंड जुम्बा स्टूडियो में ''समर कैंप'' का आयोजन शुरू हो चूका है जो 15 जून तक चलेगा। शिविर का उद्देश्य व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देना और प्रत्येक दिन को एक नए और रोमांचक साहसिक कार्य के रूप में देखना और अनुभव करना है। शिविर मे हरिद्वार के कई बच्चे भाग ले रहे हैं। शिविर में 'समर कैंप के अंतर्गत बच्चो ने योग, नृत्य, कला, तायक्वोंडो, जुम्बा और संगीत, फायर फ्री कुकिंग, ओरिगैमी, रंगों के साथ खेल खेल मे विभिन्न चिजे सीख रहे हैं। विभिन्न गतिविधियों में बच्चें जोश व उत्साह के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर रहे हैं। नेक्स्ट स्टेप डांस एंड जुम्बा स्टूडियो के ऑनर डीके सर ने बताया कि बच्चे समर कैंप में मस्ती में नई चीजें सीखते हैं। फोन और कंप्यूटर के दौर में बच्चों को कुछ अलग सिखाने के लिए समर कैंप कारगर है। यह सभी गतिविधियां बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए बहुत आवश्यक होती हैं और हम समय-समय पर ऐसी गतिविधियों का आयोजन करता रहता है।

डीके सर ने बताया की बच्चों के लिए अपने अवकाश का उपयोग करने के लिए कई गतिविधियों की व्यवस्था की गई है जैसे डांस, योगा, ताइक्वांडो, जुम्बा, ड्राइंग, आर्ट एंड क्राफ्ट सहित बच्चों को कई अन्य चीजें सिखाई जा रही है। समर कैंप स्वतंत्रता और आनंद का अनुभव करने का स्थान है। इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों को अच्छी शिक्षा मिले व अच्छे संस्कार मिले यह हम सभी का कर्तव्य है। योग गतिविधियां जिसमें सूक्ष्म व्यायाम, योगिक प्रार्थना और सूर्य नमस्कार आसन आदि भी बच्चों को करवाए जाते हैं। साथ ही बॉडी लैंग्वेज, हाव-भाव, ध्वनि के प्रति संवेदनशील बनाने की गतिविधियाँ होती हैं। इस दौरान नीलम, निर्मला मथिआनी, आशी नेगी, अंकित नेगी शिक्षक आदि मौजूद रहते हैं।

लॉरेंस बिश्नोई रंगदारी प्रकरण : पुलिस ने किया खुलासा, दो गिरफ्तार

उत्तराखंड प्रहरी, ब्यूरो

हरिद्वार। हार्डवेयर व्यापारी संतोष महेश्वरी को धमकाकर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर रंगदारी मांगने सम्बन्धी प्रकरण का एसएसपी अजय सिंह के निर्देश पर गठित स्पेशल पुलिस टीम ने सफल खुलासा करते हुए दो युवकों को कॉल व टेक्स्ट मैसेज करने के लिए प्रयुक्त मोबाइलों समेत दबोचा। फोन कॉल से धमकी देने के सम्बन्ध में कोतवाली हरिद्वार में दर्ज मु0अ0सं0 189/2023 धारा 384/506 में चल रही विवेचना के बीच व्यापारी को पुनः 2 जून की शाम को नए नम्बरों से टेक्स्ट मैसेज से धमकी मिलने के साथ ही उक्त दोनों नम्बरों से (उसी प्रकार पहले कॉल, बाद में टेक्स्ट मैसेज) रायवाला के दो व्यापारियों को धमकी दी गई थी। जिस सम्बन्ध में थाना रायवाला में भी अलग-अलग मुकदमें दर्ज हैं।

गठित स्पेशल टीम ने फोन कॉल/मैसेज करने के लिए प्रयोग किए गए मोबाइल नंबर की CDR का गहनतापूर्वक अवलोकन कर इलेक्ट्रॉनिकली अन्य कई बातों का ध्यान रखते हुए साथ ही साथ फील्ड में

अपने मुखबिरों का जाल बिछाते हुए अभियुक्त वीरेंद्र उर्फ छोटा सुनार व गोविंद बाबा को हिरासत में लेकर मोबाइल फोन को भी बरामद किया गया।

विवेचना के दौरान पता चला है कि अभियुक्त वीरेंद्र उर्फ छोटा सुनार विलासपुर छत्तीसगढ स्थित अंग्रेजी माध्यम के स्कूल से पढ़ाई के दौरान छठवीं कक्षा में भागकर हरिद्वार आ गया था। इस दौरान घाटों पर गोताखोरी करने व गंगा ढूंढने के वह अन्य गोताखोरों को मिले स्वर्ण अथवा चांदी के आभूषण आदि को तुरंत खरीदकर आगे बेचने के उसके काम के कारण उसका नाम छोटा सुनार पड़ा। अन्य अभियुक्त गोविंद बाबा निर्धन निकेतन विद्यालय से दसवीं फेल होकर अस्थाई चाय की दुकान चलाता है।

अक्सर एक साथ शराब पीने के दौरान दोनों अभियुक्तों ने रंगदारी मांगने का प्लान तैयार किया। थोक विक्रेता के पास मोटी रकम आने की जानकारी होने पर अभियुक्तों ने फिरौती में मोटी रकम हासिल करने के लिए पहले हरिद्वार निवासी हार्डवेयर व्यापारी की दुकान के बोर्ड से उसका नम्बर लिया और रायवाला निवासी व्यापारियों के दुकान के बोर्ड पर नम्बर अंकित न होने पर उनके द्वारा संचालित स्कूल से नम्बर प्राप्त कर तीनों नम्बरों पर गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम पर चौथ मांगी।

- हार्डवेयर व्यापारी को गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई के नाम से मिली थी धमकी
- फिरौती मांगने को लेकर थाना रायवाला में भी दर्ज हैं दो मुकदमें
- दोनों अभियुक्त अक्सर साथ छलकाते हैं जाम, एक छठवीं की पढ़ाई के दौरान घर से भागा तो दूसरा है दसवीं फेल
- धकाकर बड़ी रकम ऐंठने के लिए हार्डवेयर व्यापारियों को किया था टारगेट
- हरिद्वार में गुंडई के लिए कोई स्थान नही, गलती से भी हिम्मत की तो जाना होगा जेल : एसएसपी अजय सिंह

अभियुक्तों के खिलाफ दर्ज मुकदमें

- मु0अ0सं0 189/ 2023 धारा 384, 506 IPC, चालानी थाना को0नगर हरिद्वार, वादी- हार्डवेयर व्यापारी संतोष महेश्वरी
- मु0अ0सं0 84/2023 धारा 384 IPC, चालानी थाना रायवाला देहरादून, वादी- अरविंद कुमार संचालक जुगरान हार्डवेयर हरिपुर कला
- मु0अ0सं0 85/ 2023 धारा 384 IPC, चालानी थाना रायवाला देहरादून, वादी- प्रेम लाल शर्मा प्रॉपर्टी डीलर (पूर्व प्रधान हरिपुर कला)

अभियुक्त

- वीरेंद्र उर्फ छोटा सुनार पुत्र कैलाश चंद निवासी हरिपुर कला रायवाला
- गोविंद बाबा पुत्र महाकाल गिरी निवासी हिल बाईपास खड़खड़ी

डीपीएस रानीपुर में महत्तवपूर्ण आयोजन आज, पर्यावरण जागरुकता के लिए साईकल रैली का भी आयोजन

उत्तराखंड प्रहरी, ब्यूरो

हरिद्वार। सीबीएसई क्षेत्रीय कार्यालय देहरादून के तत्वाधान में भारत द्वारा जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण करने के उपलक्ष्य में मूलभूत साक्षरता और अंकज्ञान एवं शिक्षा के क्षेत्र में जनभागीदारी विषय पर राज्य स्तरीय सम्मेलन/संगोष्ठी एवं गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा जिसमें उत्तराखण्ड के मैदानी क्षेत्रों एवं उत्तर प्रदेश के कई जिलों से 300 विद्यालयों के प्रधानाचार्य एवं सिटी कॉर्डिनेटर प्रतिभाग कर रहे हैं जिसमें मुख्यअतिथि एवं विशेषज्ञ वक्ता के रूप में सीबीएसई क्षेत्रीय अधिकारी रणबीर सिंह उपस्थित रहेंगे साथ ही हरिद्वार के सीबीएई सिटी कॉर्डिनेटर एवं डीपीएस रानीपुर के प्रधानाचार्य डा0 अनुपम जग्गा भी उपरोक्त विषय पर अपनी विस्तृत प्रस्तुति प्रदान करेंगे। संगोष्ठी प्रातः 10 बजे से शाम 4 बजे तक चलेगी। प्रातःकाल कार्यक्रम में पर्यावरण दिवस मनाते हुए वृक्षारोपण का आयोजन किया जाएगा साथ ही पर्यावरण जागरुकता के लिए साईकल रैली का भी आयोजन किया जा रहा है।

प्रधानाचार्य डा. अनुपम जग्गा भी उपरोक्त विषय पर अपनी विस्तृत प्रस्तुति प्रदान करेंगे।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने किया नि: शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर कैंप का शुभारंभ

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि 09 साल के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को ऊंचाई पर पहुंचाया हैं आज विश्व की 5वी सबसे बड़ी इकॉनमी अगर कोई है तो वह भारत है।

देहरादून। कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने रविवार को देहरादून स्थित गढ़वाल सभा परिसर में सिटी न्यूरो स्पाइन हॉस्पिटल देहरादून द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर कैंप का शुभारंभ किया। निशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में लोगो ने बढ़-चढ़कर स्वास्थ्य जांच कराई और शिविर का लाभ लिया। मंत्री गणेश जोशी ने स्वास्थ्य शिविर में पहुंचे लोगों का हाल-चाल भी जाना और अधिक से अधिक संख्या में क्षेत्र वासियों को शिविर का लाभ लेने की अपील भी की।

इस अवसर पर मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि 09 साल के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को ऊंचाई पर पहुंचाया हैं आज विश्व की 5वी सबसे बड़ी इकॉनमी अगर कोई है तो वह भारत है इतना ही भी विश्व की चौथी सबसे बड़ी सैन्य ताकत भारत है। मंत्री जोशी ने कहा आज मेक इन इंडिया के। माध्यम से देश को मजबूत किया जा रहा है। किसानों, महिलाओं, युवाओं को मजबूत किया जा रहा है।मंत्री जोशी ने कहा समाज के हर वर्ग कि चिंता देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर रहे है। वहीं मंत्री जोशी ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में स्वास्थ्य के क्षेत्र में अनेकों योजनाएं संचालित की जा रही है। जिसका प्रदेशवासी लाभ उठा रहे है। उन्होंने कहा राज्य के चौमुखी विकास के लिए प्रदेश सरकार संकल्पबद्ध है। इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष प्रदीप रावत, संजय डोभाल, पार्षद भूपेंद्र कठेत सहित कई लोग उपस्थित रहे।

निरंजनी सुपर 33 के तहत पहली सफलता : अक्षत त्रिवेंदी ने रचा इतिहास, श्रीमहंत रविन्द्र पुरी ने दी बधाई

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। एसएमजेएन (पीजी) कालेज के बी.कॉम. अन्तिम वर्ष के छात्र अक्षत त्रिवेंदी ने नेशनल टेस्टिंग एजेन्सी के माध्यम से कामन एन्ट्रेस टेस्ट में 94.798 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज के इतिहास में अपना नाम स्वर्णिम अक्षरों से अंकित कर दिया है। यह जानकारी देते हुए कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बत्रा ने बताया कि अक्षत त्रिवेंदी निरंजनी सुपर 33 बेच के छात्र हैं जिसे कॉलेज प्रबन्धन एवं प्रशासन ने एक अभिनव प्रयोग के रूप में प्रारम्भ किया है। इसके अन्तर्गत छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु दीक्षित किया जा रहा है।

निरंजनी सुपर 33 बेच के माध्यम से यह प्रथम सफलता उत्साहित करने वाली है। कॉलेज प्रबन्धन समिति के चेयरमैन श्रीमहंत रविन्द्र पुरी ने अक्षत त्रिवेंदी के स्वर्णिम भविष्य के लिए अपना आशीर्वाद दिया है। उन्होंने कहा कि कल विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में अक्षत त्रिवेंदी को पर्यावरण मित्र एवं उसकी इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर सम्मानित किया जायेगा। अक्षत त्रिवेंदी कॉलेज के पर्यावरण प्रकोष्ठ में सक्रिय सदस्य हैं एवं गौरैया संरक्षण के लिए चलाये जा रहे अभियान में भी उसकी प्रमुख भूमिका रही हैं। अक्षत त्रिवेंदी की इस सफलता पर कॉलेज परिवार एवं उसके सहयोगी साथियों में हर्ष की लहर है।

श्रीराम नाम विश्व बैंक समिति ने पर्यावरण दिवस की पूर्व संधिया पर किया वृक्षारोपण

पर्यावरण को सुरक्षित रखना एक विश्व स्तरीय चुनौती बनती जा रही हैं।

उत्तराखंड राज्य की उत्पत्ति में वृक्ष, जंगल का महत्व निहित है।

वृक्षारोपण में मानव जीवन एवं पशु पक्षियों के हित समाहित है

उत्तराखंड प्रहरी ब्यूरो

हरिद्वार। श्रीराम नाम विश्व बैंक समिति हरिद्वार द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस की पूर्व संध्या पर वृहद स्तर पर वृक्षारोपण का आयोजन किया गया। इस दौरान संस्था द्वारा हरिद्वार के ऋषिकुल स्थित राम घाट के आस पास पीपल, बड़, नीम, लीची, आम, अशोक सहित कई तरह के पौधारोपण किये। इस मौके पर संस्था के देव जी महाराज ने कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित रखना एक विश्व स्तरीय चुनौती बनती जा रही हैं। वृक्षारोपण एवं उनका संरक्षण करना एक मात्र उपाय है। उन्होंने आम लोगों एवं छात्र छात्राओं से अधिकाधिक पौधारोपण कर उसके देखभाल पर भी ध्यान देने की अपील की। संस्था के अध्यक्ष सुमित तिवारी आज हमारी संस्था श्रीराम नाम विश्व बैंक द्वारा हरिद्वार में पीपल, बड़, नीम, लीची, आम, अशोक सहित कई तरह के पौधारोपण किये। उत्तराखंड राज्य की उत्पत्ति में वृक्ष, जंगल का महत्व निहित है। हम सभी नागरिकों का यह मौलिक कर्तव्य है कि हम सभी पर्यावरण संरक्षण में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएँ। विश्व आज ग्लोबल दुष्परिणाम से गुजर रहा है। हमें संयुक्त प्रयास से जलवायु संरक्षण करने की आवश्यकता है। संस्था के संरक्षक अंशुल श्री कुंज और संगठन मंत्री रवि बाबू शर्मा ने कहा कि वृक्ष लगाना अति आवश्यक हो गया है। यदि वृक्ष नहीं लगाए जायेंगे तो कुछ दिनों में सांस लेना भी बहुत कठिन हो जाएगा। उन्होंने कहा की समाज को प्रदूषण मुक्त बनाने के लिए पौधारोपण करना बहुत जरूरी है। वृक्षारोपण में मानव जीवन एवं पशु पक्षियों के हित समाहित है। पौधरोपण करने वालों में ठाकुर रतन सिंह, वीर गुर्जर, जितेंद्र कुमार, राजू, कृष्ण कुमार, गंगाराम, मनोज कुमार, विनोद कुमार, अनस, अशरफ अब्बासी, तरुण शर्मा, अंकित शर्मा, हरिओम, सुनील सिंह, धर्मेंद्र कुमार, निर्मल सिंह, अनुज ब्रह्मचारी आदि लोग रहे।

उत्तराखंड के इस मंदिर में जारी हुआ ड्रेस कोड, अमर्यादित कपड़ों में न आने की अपील

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

कोटद्वार। अगर आप कोटद्वार व आसपास के क्षेत्रों में अगाध आस्था का केंद्र प्रसिद्ध श्री सिद्धबली मंदिर में भगवान सिद्धबली बाबा के दर्शनों को जा रहे हैं तो अपनी वस्त्रों पर एक नजर अवश्य डाल दें। मंदिर समिति ने मर्यादित वस्त्र पहन मंदिर आने का आग्रह किया है। समिति ने इस संबंध में सिद्धबली बाबा मंदिर परिसर में जगह-जगह चेतावनी बोर्ड भी लगा दिए हैं। कोटद्वार में खोह नदी के तट पर बसे श्री सिद्धबली मंदिर के प्रति श्रद्धालुओं की किस कदर अटूट आस्था है, इसका प्रत्यक्ष प्रमाण इस बात से मिल जाता है कि मंदिर में अगले दस वर्षों तक भंडारा आयोजन के लिए कोई तिथि नहीं है। यह स्थिति तब है जब मंदिर समिति परिसर में दो-दो स्थानों पर भंडारे आयोजित करने की अनुमति प्रदान कर रही है।

दरअसल, मान्यता है कि माना जाता है कि हनुमान जी के इस मंदिर में मांगी गई मुराद अवश्य पूर्ण होती है। मुराद पूर्ण होने के बाद श्रद्धालु मंदिर में भंडारे का आयोजन करते हैं। मंदिर में कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र ही नहीं, बिजनौर, मेरठ व दिल्ली से भी बड़ी तादाद में श्रद्धालु पहुंचते हैं। ऐसे में मंदिर की गरिमा बनी रहे, इसके लिए मंदिर समिति की ओर से लगातार प्रयास किए जाते रहे हैं। इसी क्रम में मंदिर समिति ने मंदिर में पहुंचने वाले श्रद्धालुओं से शालीन व मर्यादित वस्त्रों में ही मंदिर आने का आग्रह किया है। सिद्धबली मंदिर के बारे में मान्यता है कि कलयुग में शिव का अवतार माने जाने वाले गुरू गोरखनाथ को इसी स्थान पर सिद्धि प्राप्त हुई थी, जिस कारण उन्हें सिद्धबाबा कहा जाता है। गोरख पुराण के अनुसार, गुरू गोरखनाथ के गुरू मछेंद्रनाथ पवनसुत बजरंग बली की आज्ञा से त्रिया राज्य की शासिका रानी मैनाकनी के साथ गृहस्थ आश्रम का सुख भोग रहे थे। जब गुरू गोरखनाथ को इस बात का पता चला तो वे अपने गुरू को त्रिया राज्य के मुक्त कराने को चल पड़े। मान्यता है कि इसी स्थान पर बजरंग बली ने रूप बदल कर गुरू गोरखनाथ का मार्ग रोक लिया, जिसके बाद दोनों में भयंकर युद्ध हुआ।

दोनों में से कोई भी एक-दूसरे को परास्त नहीं कर पाया, जिसके बाद बजरंग बली अपने वास्तविक रूप में आ गए व गुरू गोरखनाथ के तपो-बल से प्रसन्न होकर उन्हें वरदान मांगने को कहा। गुरू गोरखनाथ ने बजरंग बली श्री हनुमान से इसी स्थान पर उनके प्रहरी के रूप में रहने की गुजारिश की।

गुरू गोरखनाथ व बजरंग बली हनुमान के कारण ही इस स्थान का नाम "सिद्धबली" पड़ा व आज भी यहां पवनपुत्र हनुमान प्रहरी के रूप में भक्तों की मदद को साक्षात रूप में विराजमान रहते हैं।

हरिद्वार पुलिस ने बैरागी कैम्प और जगजीतपुर में चलाया सत्यापन अभियान, वसूले 35000

कनखल के बैरागी क्षेत्र में रह रहे 15 संदिग्ध को लिया गया हिरासत में

अभियान के दौरान 03 मकान मालिको का किया गया कोर्ट चालान

ड्रोन से निगरानी करते हुए बैरागी कैंप की मलिन बस्ती में निकाला गया फ्लैग मार्च

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

हरिद्वार। एसएसपी अजय सिंह द्वारा किरायेदारों व घरेलू नौकरों का डोर टू डोर सत्यापन किये जाने के लिए दिए गए निर्देश पर एसओ कनखल के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कस्बा बैरागी कैंप और जगजीतपुर में निवासरत किरायेदारों एवं घरेलू नौकरों के सत्यापन के लिए सघन अभियान चलाया गया तथा ड्रोन कैमरे से निगरानी करते हुए मलिन बस्तियों में फ्लैग मार्च निकाला गया।

इस दौरान किराएदार सत्यापन न कराने पर 35 मकान मालिकों का नगद चालान कर 35000 रूपये वसूलते हुए 03 मकान मालिकों का कोर्ट चालान किया गया। सत्यापन अभियान के दौरान बैरागी क्षेत्र में निवास कर रहे 15 संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए उन सभी को हिरासत में लिया गया।

गिरफ्तार संदिग्ध व्यक्तियों में

1-संजय तोमर पुत्र श्यामसिंह तोमर निवासी मानपुर थाना बहमनपुर जिला मेरठ उ.प्र. हाल बैरागी कैम्प कखनल
2-योगेश कुमार पुत्र दलीप सिंह ग्राम नरावली थाना स्योहारा बिजनौर उ.प्र. हाल बैरागी कैम्प कखनल
3- मदन पुत्र बबलू सिंह निवासी ग्राम लोकादडी थाना नजीबाबाद जिला बिजनौर उ.प्र. हाल बैरागी कैम्प कखनल
4-अंकित पुत्र ब्रिजेश कुमार निवासी अडिंग थाना गोवर्धन जिला मथुरा उ.प्र. हाल बैरागी कैम्प कखनल
5-रिकूं यादव पुत्र स्व. राजकुमार यादव निवासी हाल बैरागी कैम्प कखनल
6-सोहित तोमर पुत्र गरीबा सिंह तोमर निवासी बरुखी थाना कोतवाली जिला बिजनौर उ.प्र. हाल बैरागी कैम्प कखनल
7-सुरेन्द्र पुत्र गरीबा निवासी उपरोक्त
8-मोहित कुमार पुत्र तेजपाल सिंह निवासी हल्दौर बिजनौर हाल बैरागी कैम्प कखनल
9-अनुज कुमार पुत्र महिपाल सिंह निवासी उपरोक्त
10-प्रविन्द्र सिंह पुत्र रोहित दास निवासी राजा का ताजपुर थाना नूरपुर जिला बिजनौर उ.प्र. हाल बैरागी कैम्प कखनल
11-देवेन्द्र पुत्र जसपाल सिंह निवासी उपरोक्त
12-अमित कुमार पुत्र सौराज सिंह निवासी उपरोक्त
13-भूराज सिंह पुत्र बाबूराम निवासी चौदहपुर कला थाना बेहट जिला सहारनपुर उ.प्र. हाल बैरागी कैम्प कखनल
14-दिवाकर पुत्र शिशुपाल निवासी सगल मछारिया थाना चौडा कम्बो जिला संबल उ.प्र. हाल बैरागी कैम्प कखनल
15-जागेश पुत्र अमरपाल निवासी सुल्तानगर थाना गजरौला जिला अमरोहा उ.प्र. हाल बैरागी कैम्प कखनल

पेनल्टी शूटआउट में जीता भारत, कृष्ण बहादुर की गोलकीपिंग के दम पर 4-2 से हराया ग्रेट ब्रिटेन

लंदन। एफआईएच प्रो लीग में भारतीय हाकी टीम ने शानदार तरीके से ब्रिटेन के खिलाफ जीत हासिल की है। शनिवार को लंदन के ली वैली हाकी एंड टेनिस सेंटर में खेले गए रोमांचक मुकाबले में भारत ने पेनल्टी शूटआउट में ग्रेट ब्रिटेन को 4-2 से हरा दिया। अंतिम पेनल्टी शूटआउट में अभिषेक सिंह ने स्कोर कर भारत को 4-4 से ड्रॉ के बाद 4-2 से जीत दिलाई। मनप्रीत सिंह ने अपने फुर्तीले कौशल से भारत को बराबरी पर पहंचाया था। इससे पहले कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दो गोल की मदद से भारतीय हाकी टीम ने ओलंपिक चैंपियन बेल्जियम को 5-1 से हराकर उलटफेर करते हुए एफआईएच प्रो लीग में अपने यूरोपीय चरण में लगातार हार के बाद शाानदार वापसी की थी। इससे पहले भारतीय हाकी टीम अपने दूसरे मैच में ग्रेट ब्रिटेन से 2-4 से हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम की यह लगातार दूसरी हार थी। ब्रिटेन ने तीन मैदानी गोल दागे, जबकि भारत ने अपने दोनों गोल पेनल्टी कॉर्नर पर किए। भारतीय टीम अपने पहले मैच में अंतिम मिनट में गोल खाने के कारण बेल्जियम से 1-2 से हार गई थी। शनिवार के मुकाबले में शूटआउट में दो बार बचाने वाले कृष्ण बहादुर पाठक की शानदार गोलकीपिंग की।

हमीरपुर के रवीन ने जीते दो गोल्ड-दो सिल्वर मेडल, पंचकूला में हुई राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा

हमीरपुर। नेशनल पावर लिफ्टिंग एलाइंस और इंडियन स्ट्रांग मैन अवेंजर्स के संयुक्त 26 से 28 मई पंचकूला में आयोजित राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता में हमीरपुर जिला के रवीन राठौर ने दो स्वर्ण व दो रजत पदक जीत कर जिला का नाम रोशन किया है। रवीन ने 200 किलो डेडलिफ्ट एक मिनट में और 200 किलोवेट होल्ड अधिकतम समय में स्वर्ण पदक जीता तो वहीं मॉन्स्टर डंबल मैक्स रेप इन मिनट प्लेट होल्ड 20 किलो अधिकतम समय मे सिल्वर मेडल जीता। रवीन इससे पूर्व देहरादून में आयोजित स्ट्रांग मैन प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक जीते चुके हैं। रवीन ने जीत का श्रेय परिजनों सहित अपने प्रशिक्षक को दिया को दिया है। गौरतलब है कि हमीरपुर जिला से पहली बार किसी ने पावर लिफ्टिंग और स्ट्रांग मैन प्रतियोगिता में भाग लिया है। रवीन ने बताया कि पंचकूला में आयोजित राष्ट्र स्तरीय प्रतियोगिता के स्ट्रांग मैन की चार स्पर्धाओं में उन्होंने भाग लिया था जिसमे 200 किलो डेडलिफ्ट एक मिनट में और 200 किलो वेट होल्ड अधिकतम समय में स्पर्धा में 58 सेकेंड होल्ड कर गोल्ड मेडल जीता तो वहीं मॉन्स्टर डंबल मैक्स रेप इन मिनट प्लेट होल्ड 20 किलो अधिकतम समय मे सिल्वर मेडल जीता। उन्होंने कहा कि हमीरपुर में लोग अपनी फिटनेस के प्रति काफी जागरूक हैं लेकिन पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिताओं में भाग लेने से परहेज करते हैं। उन्होंने कहा कि हमीरपुर में युवा खेलों के प्रति आकर्षित हैं और उन्हें अपने हुनर को निखारने के लिए प्रतियोगिताओं में भाग लेना चाहिए।

खिलाड़ियों ने दिया उत्कृष्ट खेल भावना का परिचयः योगी

वाराणसी, (वार्ता)। उत्तर प्रदेश के चार शहरों में 25 मई से 3 जून तक आयोजित खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तीसरे संस्करण का शनिवार शाम वाराणसी में समापन हो गया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि खिलाड़ियों ने गर्मी की परवाह किए बगैर जिस तरह पूरी तत्परता से इस आयोजन में हिस्सा लिया और मेडल जीते, उन सभी को बधाई देता हूं। जिन्होंने यहां खेल की उत्कृष्ट भावना का परिचय दिया, उनका ह्दय से अभिनंदन करना हूं। विश्वास करता हूं कि अगली प्रतियोगिता में और उत्कृष्ट प्रदर्शन के माध्यम से ये खिलाड़ी मेडल प्राप्त करेंगे। समापन समारोह के दौरान कुछ चुनिंदा सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ ही खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तीसरे संस्करण के सार के तौर पर एक लघु फिल्म का प्रदर्शन किया गया। समापन समारोह के अंत में योगी और केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स के तीसरे संस्करण की विजेता टीम पंजाब यूनिवर्सिटी (कुल 69 पदक,26 स्वर्ण, 17 रजत और 26 कांस्य), दूसरे स्थान पर रही गुरुनानकदेव यूनिवर्सिटी अमृतसर (कुल 68 पदक, 24 स्वर्ण, 27 रजत, 17 कांस्य) एवं तीसरे स्थान पर रही जैन यूनिवर्सिटी कर्नाटक (कुल 32 पदक, 16 स्वर्ण, 10 रजत,6 कांस्य) को ट्रॉफी प्रदान की।

जापान में भारत का धमाकेदार आगाज़

काकामीगहारा। जापान के काकामीगहारा में चल रहे महिला जूनियर एशिया हाकी कप में भारतीय टीम ने जीत के साथ आगाज़ किया है। शनिवार को खेले गए लीग मैच में भारत ने उज्बेकिस्तान को 22-0 से हराया। भारतीय टीम ने 12 गोल दूसरे हाफ और 10 गोल पहले हाफ में किए। 11 जून तक चलने वाले इस टूर्नामेंट 10 टीमें भाग ले रही हैं। भारतीय टीम के साथ ही चार अन्य टीमों को उनकी वल्ड रैंकिंग के आधार पर अंडर-21 हॉकी टूर्नामेंट में सीधा प्रवेश मिला है, जिनमें चीन, कोरिया, जापान और मलेशिया की टीमें शामिल हैं। जबकि बाकी पांच टीमें कजाकिस्तान, हांगकांग, चीनी ताइपे, उज्बेकिस्तान और इंडोनेशिया ने पिछले साल अक्तूबर में कजाकिस्तान में आयोजित महिला जूनियर कप के जरिए इस टूर्नामेंट में क्वॉलिफाई किया है। भारतीय टीम को पूल-ए में मलेशिया, चीनी ताइपे, दक्षिण कोरिया और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। वहीं, पूल बी में जापान, कजाकिस्तान, हांगकांग, इंडोनेशिया और मौजूदा चैंपियन चीन शामिल है। अपने-अपने ग्रुप में आगे रहने वाली टीमें सेमीफाइनल में जाएगी। जबकि तीसरे और चौथे स्थान पर रहने वाली टीमें पांचवीं से आठवीं रैंक के क्लालिफिकेशन के लिए खेलेंगी। दोनों पूल में पांचवें स्थान पर रहने वाली टीमें 9वें और 10वें स्थान के लिए एक दूसरे से भिड़ेंगी।

कारोबार

रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समीक्षा का बाजार पर रहेगा असर

मुंबई (वार्ता)। विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह मामूली बढ़त पर रहे घरेलू शेयर की अगले सप्ताह दिशा निर्धारित करने में रिजर्व बैंक (आरबीआई) की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा, कच्चे तेल की कीमत, डॉलर सूचकांक और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के रुख से निर्धारित होगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 45.42 अंक की मामूली बढ़त के साथ सप्ताहांत पर 62547.11 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 34.75 अंक बढ़कर 18534.10 अंक पर पहुंच गया। समीक्षाधीन सप्ताह बीएसई की दिग्गज कंपनियों के मुकाबले मझौली और छोटी कंपनियों के प्रति निवेशधारणा अधिक मजबूत रही। इससे मिडकैप 490.95 अंक अर्थात 1.8 प्रतिशत की छलांग लगाकर 27294.10 अंक और स्मॉलकैप 723.04 अंक यानी 2.4 प्रतिशत उछलकर 30885.70 अंक पर रहा। विश्लेषकों के अनुसार, वैश्विक बाजारों के मिलेजुले संकेत से घरेलू बाजार में भारी उतार-चढ़ाव रहा। अमेरिकी ऋण सीमा सौदे की स्वीकृति ने अमेरिकी डिफ़ॉल्ट को रोक दिया और वैश्विक निवेशकों के बीच आशा उत्पन्न की है। निवेशक अब फेडरल रिजर्व की आगामी मौद्रिक समीक्षा नीति का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हालांकि फेड अधिकारियों ने जून में संभावित दर वृद्धि को स्थगित करने का संकेत दिया है। घरेलू स्तर पर वस्तु एवं सेवा कर (जीडीपी) आंकड़ों के अपेक्षाओं से अधिक होने और चौथी तिमाही की मजबूत आय ने घरेलू बाजार की विकास संभावनाओं को बल दिया है। इसके अलावा मई में वाहनों की बिक्री ने एक क्रमिक सुधार प्रदर्शित किया, जिससे ऑटो क्षेत्र में सुधार की भावना को बढ़ावा मिला है। आगामी सप्ताह में 06 से 08 जून को होने वाली आरबीआई की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के परिणाम के अलावा पीएमआई और अमेरिकी रोजगार आंकड़े बाजार की दिशा निर्धारित करेंगे। साथ ही अगले सप्ताह बाजार को दिशा देने में रुपये के प्रदर्शन और एफआईआई की लिवाली की भी अहम भूमिका रहेगी। एफआईआई मई में कुल 27,856.48 करोड़ रुपये के शुद्ध लिवाल रहे हैं। वहीं, इस अवधि में घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,306.35 करोड़ रुपये की बिकवाली की है।

कम हुई महंगाईः टमाटर 50 फीसदी सस्ता, खाद्य तेलों की कीमतों में भारी गिरावट

नई दिल्ली। खुदरा महंगाई के अप्रैल में गिरकर 4.7 फीसदी पर पहुंचने का असर जमीनी स्तर पर भी दिख रहा है। जरूरी वस्तुओं की कीमतों में भारी कमी आई है। टमाटर एक साल में 50 फीसदी सस्ता हुआ है।

खाने वाले तेलों की कीमतें भी घटी हैं। गेहूं, चावल, आटा और दाल के दाम अभी भी ऊपर बने हुए हैं। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक दो जून, 2023 को आलू की कीमत प्रति किलो 21.33 रुपए थी, जो एक साल पहले 24.12 रुपए थी। प्याज का दाम 23.81 से घटकर 22.34 रुपए, चाय की कीमत 284.21 से घटकर 275.61 रुपए और टमाटर की कीमत 52 रुपए किलो से कम होकर 25 रुपए किलो पर आ गई है। आंकड़े बताते हैं कि जरूरी वस्तुओं में ज्यादातर के दाम एक साल में घटे हैं। हालांकि इसी दौरान चावल का दाम 36.16 रुपए किलो से बढक़र 39.49 रुपए किलो, गेहूं की कीमत 27.51 रुपए से बढक़र 29.09 रुपए और आटा की कीमत 31.31 से बढक़र 34.31 रुपए किलो पर पहुंच गई है।

चना दाल का दाम 73.95 से बढक़र 74.68 रुपए, उड़द दाल का दाम 105०09 से बढक़र 110.58 रुपए किलो हो गया है। इसी तरह मूंगदाल की कीमत 102.80 रुपए से 109.16 रुपए, चीनी की कीमत 41.75 से बढक़र 42.62 रुपए और मूंगफली तेल की कीमत 186 से बढक़र 190 रुपए पर पहुंच गई है। हालांकि मसूर दाल इसी दौरान 96.85 से घटकर 92.33 रुपए किलो पर आ गई है। यह कीमतें पूरे देश में औसत आधार पर हैं।

सर्राफा बाजारः सोना, चांदी में मिश्रित रंगत

इंदौर, (वार्ता)। सप्ताहांत सोना तथा चांदी में घटबढ़ दर्ज की गई। इस दौरान सोना 200 रुपये सस्ता तथा चांदी 400 रुपये महंगी बिकी। कारोबार की शुरुआत में सोना 61600 रुपये पर खुलने के बाद शनिवार के दिन 61400 रुपये प्रति दस ग्राम होकर थमा। चांदी में व्यापार की शुरुआत 71300 रुपये पर हुई वहीं शनिवार के दिन 71700 रुपये बिकी। कामकाज में सोना ऊंचे में 61650 नीचे में 61200 रुपये प्रति 10 ग्राम बिका। व्यापार में चांदी ऊपर में 71800 तथा नीचे 71000 रुपये प्रति किलोग्राम बिकी। चांदी सिक्का पूछपरख से मजबूत बताया गया। विदेशी बाजार में सोना 1947 डॉलर तथा चांदी 2371 सेन्ट प्रति औंस बिकी।

संपादकीय

आरक्षण का मुद्दा मणिपुर से पहले कई और राज्यों को भी नुकसान पहुँचा चुका है

देश के राजनीतिक दल जब तक आरक्षण की आग में वोटों की रोटी सेकते रहेंगे, तब तक मणिपुर जैसे हादसे होते रहेंगे। आरक्षण की मांग को लेकर मणिपुर जल रहा है। मैतई समाज को अनुसूचित जनजाति का दर्जा दिए जाने की मांग को लेकर हिंसा भड़की हुई है। इसमें कई लोगों की जानें जा चुकी हैं। दंगाइयों ने भारी संख्या में सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाया है। मणिपुर में 16 जिले हैं। जिसमें से वैली 10 फीसदी है और यहां पर 53 प्रतिशत मैतेई समुदाय के लोग रहते हैं। इसके साथ ही 90 फीसदी पहाड़ी इलाका है और यहां पर 42 प्रतिशत कुकी, नागा के अलावा दूसरी जनजाति रहती है। गैर-जनजातीय मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा देने के मणिपुर उच्च न्यायालय द्वारा राज्य सरकार को दिए गए निर्देश के बाद मणिपुर में सांप्रदायिक हिंसा भड़क गई।

1993 में भी मणिपुर में हिंसा हुई थी, तब एक दिन में नागाओं की तरफ से 100 से ज्यादा से ज्यादा कुकी समुदाय के लोगों को मार दिया गया। यह हिंसक घटना जातीय संघर्ष का परिणाम थी। अब एक बार फिर मणिपुर हिंसा से जूझ रहा है, 80 मौतें हो चुकी हैं। मणिपुर का मामला पहला नहीं है, जहां आरक्षण को लेकर बवाल हुआ है। इससे पहले भी आरक्षण को लेकर कई हिंसक आंदोलनों में देश जला है। ऐसे हिंसक आंदोलनों में देश को भारी कीमत चुकानी पड़ी है। ओबीसी आरक्षण के खिलाफ आग में देश कई बार झुलस चुका है। पहली बार मंडल कमीशन की सिफारिशों को 1990 में जब तत्कालीन प्रधानमंत्री वीपी सिंह ने लागू किया तो देश में सवर्ण समुदाय के लोग इसके विरोध में सड़क पर उतर आए। ओबीसी आरक्षण के खिलाफ देशभर में प्रदर्शन हुआ। इसके विरोध में आत्मदाह और ऐसी कई घटनाएं सामने आईं। कई जगह आगजनी और तोड़फोड़ तक हुई। वर्ष 2016 में हुए जाट आंदोलन के दौरान काफी हिंसा हुई थी। आंदोलनकारियों ने जाट समुदाय को ओबीसी में शामिल करने की मांग को लेकर काफी विरोध प्रदर्शन किया था। हरियाणा में जमकर हिंसा, आगजनी व तोड़-फोड़ हुई थी। इस हिंसक आंदोलन में 30 लोगों की जान चली गई। गुजरात में पाटीदार समुदाय के लोगों ने ओबीसी में शामिल करने को लेकर 2015 में सबसे बड़ा प्रदर्शन किया था। गुजरात में हिंसा और आगजनी की घटनाएं सामने आईं। इलाके में कर्फ्यू लगाना पड़ गया था। प्रदर्शनकारियों ने सरकारी संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचाया था। हरियाणा के जाट आरक्षण आंदोलन में करीब 35 हजार करोड़ का नुकसान हुआ था। देश में अब तक आरक्षण आंदोलन से लाखों करोड़ का नुकसान हो चुका है। राजनीतिक दल इसकी भरपाई भी देश के आम लोगों से ही करते हैं। आरक्षित वर्ग भी इससे अलग नहीं है। आर्थिक नुकसान से भरपाई के लिए बढ़ाए गए टैक्स की मार उन पर भी पड़ती है। गुर्जर आंदोलन आरक्षण की मांग को लेकर राजस्थान में गुर्जर समुदाय ने काफी दिनों तक प्रदर्शन किया था। आंदोलनकारियों ने लंबे समय तक रेलवे ट्रैक को जाम रखा। इसका प्रभाव भी पूरे देश पर पड़ा था। पुलिस और आंदोलनकारी आमने-सामने आ गए थे।

जलवायु परिवर्तन और पर्वतीय आजीविका

कुलभूषण उपमन्यु

विश्व भर में पर्वतीय क्षेत्र अगम्यता और नाजुकता के कारण हाशिए पर रहते आये हैं। इस तथ्य को मान्यता देते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ ने 1992 के पर्यावरण और विकास पर आयोजित रिओ सम्मेलन में माउंटेन एजेंडा 21 के रूप में पर्वतीय क्षेत्रों के लिए एक विशेष अपील जारी की थी। पर्वतों को मानव जाति के लिए जल मीनार, जैव विविधता भंडार, पवित्र स्थल, पर्यटन के रूप में राहत स्थलों, सघन वनों और जलवायु नियंत्रण जैसी अनेक पर्यावरणीय सेवाओं के प्रदाता के रूप में मान्यता दी। इसके साथ ही वर्तमान विकास मॉडल में पर्वतों के साथ जो मुख्य धारा के विकास का रिश्ता बना वह आर्थिक रूप से असमान शर्तों पर स्थापित हुआ है। पर्वतीय संसाधनों पर मुख्य धारा अर्थतंत्र का कब्जा मजबूत होता जा रहा है, किन्तु उसके बदले पर्वतीय क्षेत्रों को जितना आर्थिक संबल वापिस मिलना चाहिए वह नहीं मिलता है। इसलिए विश्व भर के पर्वतों के लिए विशेष व्यवस्था विकसित किये जाने की बात कही गई। हरित प्रभाव गैसों के बढ़ते उत्सर्जन के कारण जलवायु परिवर्तन एक वास्तविकता बन गई है। पर्वतीय स्थलों के संरक्षण से जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों में कुछ राहत की सांस ली जा सकती है। भारतवर्ष के सन्दर्भ में हिमालय क्षेत्र की स्थिति से इस बात को समझा जा सकता है। वर्तमान विकास मॉडल के चलते हिमालय के संसाधनों का दोहन और विकास मैदानी क्षेत्रों की जरूरतों के हिसाब से किया जाता रहा है। बड़े बांध, सीमेंट और मेगा पर्यटन, वनों का दोहन आदि में स्थानीय हित कहीं अनदेखी का शिकार हो जाते हैं। भाखड़ा, पौंग बांधों के विस्थापित पांच दशकों तक भी पूरी तरह से पुनर्वासित नहीं हो पाए हैं।

हिमाचल में बनने वाला सीमेंट जिसके लिए लोग विस्थापन का शिकार हुए, हिमाचल में महंगा मिलता है और हिमाचल से बाहर सस्ता। इसके लिए कई बहाने बनाए जा सकते हैं, जैसे ढुलाई सब्सिडी आदि, किन्तु अंतिम परिणाम तो यही है न कि हिमाचल का सीमेंट हिमाचलियों को महंगा मिलता है। इन बड़े प्रोजेक्टों से कोई रोजगार भी स्थानीय स्तर पर टिकाऊ रूप से पैदा नहीं होता है। पर्वतीय क्षेत्रों में खेती, बागवानी, पशुपालन, दस्तकारी, मधुमक्खी पालन, स्थानीय नदी-नालों से मछली पकडन्ना आदि परंपरागत आजीविका के साधन रहे हैं। वर्तमान में नौकरी सबसे आकर्षक आजीविका के रूप में उभरा है, किन्तु नौकरी तो 2-3 फीसदी से ज्यादा के लिए संभव नहीं है। तो बाकी की आबादी को पर्वतीय संसाधनों के टिकाऊ उपयोग पर आधारित व्यवसायों पर निर्भर रहना पड़ेगा। इस दिशा में नए नवाचारों को लेकर गवर्नमेंट कॉलेज शाहपुर में उत्तर-पश्चिमी हिमालय में टिकाऊ आजीविका संवर्धन पर आयोजित 27 मई से तीन दिवसीय कार्यशाला में मुझे जाने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उसमें कुछ अच्छे सुझाव सामने आए, उन्हें भी यहां उद्धृत करना प्रासंगिक होगा। पर्यटन में रोजगार की पर्याप्त संभावनाएं हैं, किन्तु पर्यटन को जिम्मेदार बनाना होगा। मेगा पर्यटन कचरा लेकर आता है। सांस्कृतिक प्रदूषण भी एक खतरा हो सकता है। इनसे बचते हुए हिमालय की शुद्ध वायु, स्वच्छ जल, रमणीय भूदृश्य का लाभ लेकर, स्वास्थ्य-पर्यटन, ईको पर्यटन, साहसिक पर्यटन, होम स्टे आदि के माध्यम से जिम्मेदार पर्यटन के रूप में विकसित करके टिकाऊ आजीविका खड़ी की जा सकती है। हिमालय में ऐसे उत्पादों पर जोर देना चाहिए जो केवल यहां के वातावरण में ही हो सकते हों। जिसे हम निश उत्पाद कह सकते हैं, जिसमें बेमौसमी सब्जी आदि पर अच्छा काम हो रहा है। कुछ पहल सुगन्धित कृषि की दिशा में भी हो रही है। इस क्षेत्र में बहुत काम करने की जरूरत है। खास करके सुगन्धित एस्सेंशियल तेलों के क्षेत्र में। फिलहाल पूरा साल काम देने वाली सुगन्धित फसलों के फसल चक्र को स्थापित करना होगा। सुगन्धित तेलों का अरबों करोड़ रुपए वैश्विक कारोबार है, जिसमें भारत का हिस्सा अभी नगण्य है।

महिलाओं को स्वावलंबी बनाकर मध्य प्रदेश सरकार ने अन्य राज्यों को दिखाई है नई राह

प्रह्लाद सबनानी

यह सर्वविदित है कि भारत में महिलाओं की आबादी लगभग 50 प्रतिशत है। परंतु, आर्थिक स्वावलंबन की दृष्टि से यदि विचार किया जाय तो ध्यान में आता है कि भारत में बहुत बड़ी मात्रा में महिलाएं पूर्णतः पुरुषों अथवा परिवार पर ही निर्भर दिखाई देती हैं। जबकि, भारत में परिवार की जिम्मेदारियों के निर्वहन के मामले में तुलनात्मक रूप से महिलाओं का योगदान बहुत अधिक पाया जाता है। भारतीय सनातन संस्कृति का पालन करते हुए भारत में महिलाएं अपने परिवार के सदस्यों, विशेष रूप से अपने बच्चों के लिए अपने स्वास्थ्य का ध्यान न रखते हुए भी अपना सर्वस्य त्याग करती हुई दिखाई देती हैं। जिसके चलते भारत में 15 से 49 वर्ष की आयु की महिलाओं में एनीमिया का स्तर 54.7 प्रतिशत पाया गया है और 23 प्रतिशत महिलाएं मानक बॉडी मास इन्डेक्स से कम स्तर पर पाई गई हैं। इसीलिए भारत में महिलाओं को त्याग की साक्षात मूर्ति भी कहा जाता हैं। विश्व के अन्य देशों में महिलाओं की स्थिति कुछ भिन्न पाई जाती है। विशेष रूप से विकसित देशों में महिलाएं अपने लिए रोजगार प्राप्त कर स्वावलंबी बन जाती हैं।

अमेरिका एवं अन्य विकसित देशों में सामान्यतः समस्त महिलाओं द्वारा चूंकि आर्थिक एवं व्यावसायिक गतिविधियों में कार्य किया जाता है अतः उन्हें घरों में लगभग नहीं के बराबर कार्य करना होता है। इन देशों की संस्कृति ही इस प्रकार की है कि गृहणियों को घरों में न तो बुजुर्गों की सेवा सुश्रुषा करनी होती है और न ही पोते पोतियों एवं नाते नातियों की देखभाल करनी होती है क्योंकि यहां तो पुत्र एवं पुत्री के 18 वर्ष की आयु प्राप्त करते ही सामान्यतः उन्हें अपना अलग घर बसा लेना होता है। साथ ही, इन महिलाओं को न तो घर में भोजन पकाना होता है और न ही भारतीय महिलाओं की तरह घर की साफ सफाई करनी होती है। इसके ठीक विपरीत भारतीय संस्कृति में तो गृहणियों को अपने बच्चों का भविष्य गढ़ने, अपने बुजुर्गों की सेवा सुश्रुषा एवं पोते पोतियों एवं नाते नातियों की देखभाल करने जैसे महत्वपूर्ण कार्य करने के साथ साथ पूरे घर की देखभाल भी करनी होती है। भारतीय गृहणियों द्वारा पूरा कुटुंब संभालने जैसे असाधारण कार्य किए जाते हैं।

एक अध्ययन प्रतिवेदन में दी गई महत्वपूर्ण जानकारी के अनुसार भारत में 18 वर्ष से 60 वर्ष के बीच की आयु की 28.7 करोड़ महिलाएं ग्रामीण इलाकों में एवं 18.2 करोड़ महिलाएं शहरी इलाकों निवास करती है। इनमें से केवल 1.4 करोड़ महिलाएं ग्रामीण इलाकों में एवं 4 करोड़ महिलाएं शहरी इलाकों में व्यावसायिक गतिविधियों में संलग्न हैं। शेष 27.3 करोड़ महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में एवं 9.3 करोड़ महिलाएं शहरी क्षेत्रों में, घरेलू कार्यों में व्यस्त रहती हैं। एक अन्य अध्ययन प्रतिवेदन के अनुसार भारत में श्रम बल की सहभागिता दर में ग्रामीण क्षेत्र के अन्तर्गत जहां 57.7 प्रतिशत पुरुषों की भागीदारी है वहीं मात्र 23.3 प्रतिशत महिलाओं की भागीदारी है। इसी प्रकार शहरी क्षेत्र में 55.9 प्रतिशत पुरुषों की भागीदारी के विरुद्ध केवल 13.6 प्रतिशत महिलाओं की श्रम बल में भागीदारी है। इससे स्पष्ट है कि महिलाओं की श्रम में भागीदारी पुरूषों की अपेक्षा बहुत ही कम है। परिवार के सदस्यों द्वारा हालांकि अपनी माता, बहन एवं बेटी की समस्त आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति का पूरा ध्यान रखा जाता है परंतु फिर भी स्वावलम्बन की दृष्टि से तो भारतीय महिलाएं पिछड़ी हुई ही दिखाई देती हैं।

पंडित श्री दीनदयाल जी उपाध्याय ने कहा था कि शासन कर रहे राजनैतिक दलों का यह कर्तव्य होना चाहिए कि वे अपनी आर्थिक नीतियां इस प्रकार की बनाएं कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक उन आर्थिक नीतियों का लाभ पहुंचे। इसे उन्होंने एकात्म मानववाद का नाम दिया था। आज हमारी माताएं, बहनें एवं बेटियों के रूप में महिलाएं अपना सर्वस्य त्याग कर अपने बच्चों के भविष्य को संवारतीं हैं तो ऐसे में केंद्र सरकार एवं राज्य सरकार के साथ-साथ हम सभी का भी यह कर्तव्य है कि हम समाज में महिलाओं की भरपूर सहायता करने का प्रयास करें। इस संदर्भ में भारत में मध्य प्रदेश राज्य अपनी प्रभावी भूमिका निभाता हुआ नजर आ रहा है।

सबसे पहले मध्य प्रदेश राज्य ने ही 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ' अभियान की शुरुआत की थी। इस अभियान को अब तो केंद्र सरकार ने पूरे देश में ही लागू कर दिया है। मध्य प्रदेश राज्य ने ही वर्ष 2007 में 'लाड़ली लक्ष्मी योजना' को प्रारम्भ किया था। इस योजना का मुख्य लक्ष्य एक लड़की के जन्म के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में सकारात्मक बदलाव लाना और शैक्षिक तथा आर्थिक स्थिति में सुधार के माध्यम से लड़कियों के भविष्य की दृढ़ नींव रखना था। इस योजना के अंतर्गत, परिवार में बेटी के जन्म से अगले पांच वर्षों तक प्रत्येक वर्ष रुपए 6,000 के राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र खरीदे जाते हैं एवं इन्हें समय-समय पर नवीनीकृत किया जाता है। लड़की को छठी कक्षा में प्रवेश के समय रुपए 2,000 और नौवीं कक्षा में प्रवेश पर रुपए 4,000 का भुगतान किया जाता है। जब लड़की को 11वीं कक्षा में भर्ती कराया जाता है, तो उसे रुपए 7,500 प्रदान किया जाता है। अपनी उच्च माध्यमिक शिक्षा के दौरान, उस लड़की को रुपए 2,000 प्रत्येक माह प्रदान किये जाते हैं। लड़की द्वारा 21 वर्ष की आयु प्राप्त होने पर उसे रुपए 1 लाख से ज्यादा की शेष राशि का भुगतान कर दिया जाता है। मध्य प्रदेश राज्य में लाड़ली लक्ष्मी योजना के अलावा भी महिलाओं के हितार्थ कुछ अन्य योजनाएं भी सफलतापूर्वक चलाई जा रही हैं। जैसे बच्ची के स्कूल जाने पर किताबें उपलब्ध कराई जाती हैं।

वैद्यानिक सूचना

उत्तराखंड प्रहरी के संपादन में हम प्रयासरत है कि हमारी ओर से खबर में किसी भी प्रकार की कोई त्रुटि न हो। हमारी कोशिश है कि अखबार में छपी किसी खबर, रिपोर्ट, फीचर या लेख से व्यक्ति विशेष, संगठन या समुदाय की भावना को ठोस न पहुंचे। **उत्तराखंड प्रहरी** में प्रकाशित लेख, विश्लेषण और साभार, ली गई सामग्री के विचार संबंधित लेखकों और रचनाकारों के निजी विचार हैं, न कि अखबार के। अतः सभी पाठकों से आग्रह है कि वे किसी सूचना, समाचार, विज्ञापनों आदि के आधार पर कोई फैसला करने से पहले तथ्यों की स्वयं पुष्टि कर लें। उसके लिए किसी भी प्रकार से लेखक, संपादक, प्रकाशक, प्रिंटर या विक्रेता को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है। तथा किसी भी कारोबारी और निज निर्णय के लिए **उत्तराखंड प्रहरी** जिम्मेवार नहीं होगा।

उत्तराखंड प्रहरी **छोटी खबरें**

ओड़िशा रेल दुर्घटना इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम में बदलाव से हुई: वैष्णव

भुवनेश्वर, (वार्ता)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ओड़िशा के बहानागा में रेल दुर्घटना इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम में बदलाव के कारण हुई है। वैष्णव ने मीडियाकर्मियों से बात करते हुए कहा कि दुर्घटना के कारण और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर ली गई है। उन्होंने कहा कि रेल हादसे की जांच पूरी हो चुकी है और रेल सुरक्षा आयोग जल्द ही अपनी रिपोर्ट सौंपेगा। रेल मंत्री ने कहा कि रिपोर्ट के आधार पर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

सोनभद्र में जहरीले सांप के काटने से दो सगी बहनों की मौत

सोनभद्र (वार्ता)। उत्तर प्रदेश में सोनभद्र जिले के ओबरा थाना क्षेत्र में जहरीले सांप ने खाट पर सो रही दो सगी बहनों को काट लिया जिससे दोनों की मौत हो गई है। पुलिस सूत्रों के अनुसार ओबरा थानाक्षेत्र के बैरपूर गांव निवासी संजय गुर्जर की दो बेटियां रीता (04) व सीता (07) शनिवार रात में खाना खाने के बाद खाट पर सो रही थी। रात 11बजे एक जहरीला सांप आया और खाट पर चढ़कर दोनों बहनों को काट लिया। सांप के काटने के बाद दोनो बहने चिल्लाने लगी जिससे परिवार में हड़कंप मच गया। घटना के समय पिता संजय गुर्जर डीजे लेकर दूसरे गांव में गया था। पड़ोसियों ने सांप काटने की सुचना पिता संजय को दिया। सूचना मिलते ही पिता संजय और परिजनों ने दोनों बेटियों को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र चोपन लेकर गये जहां डाक्टर ने दोनो को मृत घोषित कर दिया। दो सगी बहनों की मौत की खबर से गांव में कोहराम है।

भराड़ी में नवविवाहिता ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

भराड़ी। पुलिस थाना भराड़ी के तहत आते गांव घंडालवीं में एक 21 वर्षीय नवविवाहिता ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतका की पहचान मनु कुमारी (21) पत्नी रवि कुमार निवासी गांव व डाकघर घंडालवीं के तौर पर हुई है।

पहलवानों के समर्थन में कूदी युवा कांग्रेस,डीसी आफिस के बाहर फूंका केंद्र सरकार का पुतला

शिमला। हिमाचल युवा कांग्रेस ने केंद्र सरकार द्वारा प्रताड़ित प्रदर्शनकारी पहलवानों के समर्थन में शिमला में प्रदर्शन किया। युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष निगम भंडारी के नेतृत्व में कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह और केंद्र की मोदी सरकार का पूतला भी फूंका गया। उन्होंने जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी पहलवानों के साथ मारपीट को लेकर भी सरकार की आलोचना की। अपनी मेहनत और लगन से देश और अपने परिवार के लिए पदक लाने वाली महिला खिलाडियों के आंसू देखकर देश बहुत दुखी है। निगम भंडारी ने कहा कि जंतर मंतर पर खिलाडियों के साथ हुआ व्यवहार बेहद शर्मनाक है । बीजेपी भारत की बेटियों पर अत्याचार करने से कभी पीछे नहीं हटी है। उन्होंने कहा कि जब ये पहलवान पदक जीतते हैं तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत भाजपा के तमाम नेता इनके साथ फोटो खिंचवाते हैं। लेकिन जब वह अपने साथ हुए शोषण पर आवाज उठा रहे हैं, तो सरकार ही उन्हें रोने पर मजबूर कर रही हैं। निगम भंडारी ने कहा कि युवा कांग्रेस देश की बेटियों के साथ मजबूती से खड़ी है। सरकार इस मुद्दे पर कार्रवाई करे। उन्होंने बताया कि कि बृजभूषण को अभी तक गिरफ्तार नहीं किया है, जबकि पहलवानों ने बृज भूषण शरण सिंह के उपर गंभीर आरोप लगाए हैं और उनका धरना गिरफ्तारी की मांग को लेकर है। इस अवसर पर भारतीय युवा कांग्रेस के सहसचिव एवं सह प्रभारी हिमाचल प्रदेश, योगेश हांडा, कार्यकारी अध्यक्ष यद्धुपति ठाकुर, राहुल चौहान, महेश ठाकुर, शिवम राणा, बृज भूषण, मनदीप ठाकुर, संदीप चौहान सहित युवा कांग्रेस के पदाधिकारी उपस्थित थे।

तीन दिन हिमाचल दौरे पर रहेंगे नड्डा, 12 जून को नूरपुर में भाजपा कार्यालय का करेंगे उद्घाटन

शिमला। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा हिमाचल आने वाले है। 12 से लेकर 14 जून तक वह हिमाचल के तीन दिवसीय दौरे पर रहेंगे। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता व श्री नयनादेवी जी विधानसभा क्षेत्र के विधायक रणधीर शर्मा ने यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया कि 12 जून को श्री नड्डा जिला कांगड़ा में नूरपुर स्थित नए भाजपा जिला कार्यालय का उद्घाटन करेंगे यह कार्यालय अपने आप में एक भव्य कार्यालय होगा। इसे पहले ऊना जिला में जिला कार्यालय भाजपा द्वारा खोल दिया है। उद्घाटन के समय वह जिला कांगड़ा में स्थित पालमपुर के जिला कार्यालय का भी शुभारंभ करेंगे।

दानपात्र से रुपए चुराकर भाग रहे एक युवक को पुलिस ने किया गिरफ्तार

उत्तराखंड प्रहरी, संवाददाता

हरिद्वार। ज्वालापुर कोतवाली क्षेत्र स्थित प्रसिद्ध अवधूत मंडल आश्रम के दानपात्र से रुपए चुराकर भाग रहे एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। युवक के पास से चोरी के रुपए भी बरामद किए गए। आरोपी युवक का चालान कर दिया गया है। जानकारी के मुताबिक ज्वालापुर के शंकर आश्रम तिराहा स्थित अवधूत मंडल आश्रम में घुसकर चोरी छिपे एक युवक ने वहां रखे दानपात्र को तोड़कर उसमें रखे 3390 रुपए निकाल लिए। युवक की इस हरकत पर आश्रम के कर्मचारी की नजर पड़ गई। इससे पहले कि युवक उन रुपयों को लेकर आश्रम से बाहर निकलता, उसे पकड़ लिया और पुलिस के हवाले कर दिया। सूचना पाकर पहुंची पुलिस आरोपी युवक को पकड़कर कोतवाली लाई। तलाशी में आरोपी के पास से चोरी के 3390 रुपए व एक स्टील व लोहे की रॉड बरामद किए गए।

कनखल पुलिस ने चलाया सत्यापन अभियान

हरिद्वार। एसएसपी हरिद्वार अजय सिंह के किरायेदारों और घरेलू नौकरों का डोर टू डोर सत्यापन किये जाने को लेकर दिए गए निर्देश के क्रम में रविवार को कनखल पुलिस टीम ने कस्बा बैरागी कैंप और जगजीतपुर में सत्यापन अभियान चलाया। इस दौरान ड्रोन कैमरे से निगरानी करते हुए मलिन बस्तियों में फ्लैग मार्च भी निकाला गया। पुलिस के मुताबिक अभियान के दौरान कनखल के बैरागी क्षेत्र में रह रहे 15 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया। तीन मकान मालिकों का कोर्ट का चालान किया गया। जबकि सत्यापन न कराने पर 35 मकान-मालिकों का नगद चालान काट गया है।

विदेश

चीन के शेनझोउ-15 के अंतरिक्ष यात्री सुरक्षित लौटे

जिउक्वान, (वार्ता)। चीन के शेनझोउ-15 अंतरिक्ष यान में सवार तीन अंतरिक्ष यात्री अपने छह महीने के अंतरिक्ष स्टेशन मिशन को पूरा करने के बाद रविवार को सुरक्षित रूप से पृथ्वी पर लौट आए। चीन मानवयुक्त अंतरिक्ष एजेंसी के अनुसार शेनझोऊ-15 अंतरिक्ष यात्री फी जुनलॉन्ग, डेंग क्विंगमिंग और झांग लू को लेकर सुबह छह बजकर 33 मिनट पर (बीजिंग समय) पर उत्तरी चीन के आंतरिक मंगोलिया स्वायत्त क्षेत्र में डोंगफेंग लैंडिंग साइट पर उतरा।

एजेंसी ने घोषणा की कि सभी अंतरिक्ष यात्री स्वस्थ है और शेनझोउ-15 मानवयुक्त मिशन सफल रहा। अंतरिक्ष यात्रियों को यान के सामने कुर्सियों पर बिठाया गया। अक्टूबर 2005 में अंतरिक्ष मिशन शेनझोउ-6 में शामिल मिशन कमांडर फी ने कहा, 'हमने सभी निर्धारित कार्यों को पूरा कर लिया है और मातृभूमि लौटने के बाद अच्छा महसूस कर रहे हैं।' उन्होंने कहा कि 25 साल की तैयारी के बाद अंतरिक्ष में उड़ान भरने का मौका मिलने पर वह पूरे देश के लोगों के समर्थन और प्रोत्साहन के लिए आभारी हैं। उन्होंने कहा, 'मैं हमेशा सपनों और दृढ़ता की शक्ति में विश्वास करता हूं। चाहे मेरी उम्र कितनी भी हो जाएं। मुझे खुशी है कि देश को मेरी जरूरत है।' अंतरिक्ष यात्री झांग ने कहा, मैं बहुत उत्साहित था जब मैं अंतरिक्ष स्टेशन पर था, मैं अक्सर खिड़की से देखता था, और अपनी मातृभूमि और गृहनगर को खोजने की कोशिश करता था। उल्लेखनीय है कि चीन ने 29 नवंबर, 2022 को मानवयुक्त अंतरिक्ष यान शेनझोउ-15 लॉन्च किया था।

इजरायल-मिस्र सीमा पर गोलीबारी में मिस्र के एक पुलिसकर्मी और तीन इजरायली सैनिकों की मौत

येरूसलम/काहिरा (वार्ता)। इजरायल और मिस्र की सीमा पर शनिवार तड़के हुई गोलीबारी में तीन इजरायली सैनिक और मिस्र के एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई। सैन्य बयान में यह जानकारी दी गई है। इजरायली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने एक बयान में कहा कि तीन सैनिकों को मारने वाला हमलावर मिस्र का एक पुलिसकर्मी था। यान में कहा गया है कि पुलिसकर्मी ने पहले एक सीमा चौकी पर तैनात दो सैनिकों, एक पुरुष और एक महिला को मार डाला तथा तीसरे को मैंनहंट में हुई गोलीबारी के दौरान मुठभेड़ के दौरान मार गिराया। बयान में कहा गया है कि एक अन्य इजरायली सैनिक मामूली रूप से घायल हो गया। बाद में सैनिकों ने मिस्र के बंदूकधारी पुलिसकर्मी को ढेर कर दिया। मिस्र की सेना ने कहा कि इजरायल की सीमा के पास मिस्र के सुरक्षाकर्मियों द्वारा नशीले पदार्थो के तस्करों का पीछा करने के दौरान शनिवार को हुई गोलीबारी में तीन इजरायली सैनिकों और मिस्र सुरक्षा बलों के एक सदस्य की मौत हो गई। सेना के प्रवक्ता ग़रीब अब्देल-हाफ़िज़ ने एक बयान में कहा, गोलीबारी में मिस्र के सुरक्षा बल का एक सदस्य मारा गया₹ और अन्य दो इज़रायली सैनिक घायल हो गए।

यूएनएससी ने सूडान में अपने मिशन का कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ाया

मॉस्को, (वार्ता)। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) ने शुक्रवार को सूडान में अपने संयुक्त राष्ट्र एकीकृत संक्रमण सहायता मिशन (यूएनआईटीएएमएस) को छह महीने के लिए बढ़ाने का प्रस्ताव पारित किया। संरा की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, ₹सुरक्षा परिषद ने यूएनआईटीएएमएस को तीन दिसंबर 2023 तक बढ़ाने का निर्णय लिया है।

सूडान में अप्रैल के मध्य में नियमित सशस्त्र बलों और सूडान के अर्धसैनिक रैपिड सपोर्ट फोर्स के बीच हिंसक झड़पें हुईं। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, संघर्षों में 702 लोग मारे गए और 5,687 घायल हुए हैं।

उल्लेखनीय है कि यूएनआईटीएएमएस की स्थापना 03 जून, 2020 को यूएनएससी द्वारा बारह महीने की प्रारंभिक अवधि के लिए की गई थी। मिशन का मुख्यालय खार्तूम में है और इसे सूडानी लोकतांत्रिक संक्रमण का समर्थन करने के लिए डिजाइन किया गया है।

रूस-यूक्रेन जंग में सीजफायर नहीं चाहता अमरीका, ब्लिंकन बोले, यूक्रेन अपनी शर्तों पर समझौता नहीं कर पाएगा

हेलसिंकी। रूस-यूक्रेन जंग के बीच अमरीका सीजफायर के पक्ष में नहीं है। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि अमरीका और उसके सहयोगियों को अभी सीजफायर या शांति वार्ता की बात नहीं करनी चाहिए। यूक्रेन अभी अपनी शर्तों पर समझौता करने की स्थिति में नहीं है और जब तक ऐसा नहीं हो जाता तब तक सीजफायर से उसकी रक्षा नहीं हो पाएगी। फिनलैंड दौरे पर गए एंटनी ब्लिंकन ने कहा कि हमारा मानना है कि वास्तव में शांति लाने के लिए एक ऐसे यूक्रेन की जरूरत है जो भविष्य में किसी भी हमले का जवाब देने में सक्षम हो। अगर अभी सीजफायर हुआ तो इससे रूसी राष्ट्रपति पुतिन को यूक्रेन के उन इलाकों पर कंट्रोल करने का मौका मिल जाएगा जहां अभी उन्होंने कब्जा कर रखा है। साथ ही उसे फिर से हमले की तैयारी का समय मिल जाएगा। ब्लिंकन ने कहा कि रूस ने यूक्रेन के करीब 20 प्रतिशत हिस्से पर कब्जा कर रखा है। सीजफायर की स्थिति में ये इलाका उनके अधिकार क्षेत्र में चला जाएगा। ये दुनिया और खासकर रूस के लिए सही संदेश नहीं होगा।

'इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव' के कारण हुआ बालासोर ट्रेन हादसा: रेल मंत्री

बालासोर (ओडिशा), (एजेंसी)। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रविवार को कहा कि ओडिशा के बालासोर में दुखद ट्रेन दुर्घटना 'इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग में बदलाव' के कारण हुई। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिग्नल तंत्र की व्यवस्था है जो पटरियों की व्यवस्था के माध्यम से ट्रेनों के बीच परस्पर विरोधी आंदोलनों को रोकता है। यह मूल रूप से संकेतों को अनुचित क्रम में बदलने से रोकने के लिए एक सुरक्षा उपाय है। इस प्रणाली का उद्देश्य यह है कि किसी भी ट्रेन को तब तक आगे बढ़ने का संकेत नहीं मिलता जब तक कि मार्ग सुरक्षित साबित न हो जाए।

इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग की वजह से हुई दुर्घटना

अश्विनी वैष्णव ने कहा, 'यह एक अलग मुद्दा है। यह पॉइंट मशीन, इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के बारे में है। इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के दौरान जो बदलाव हुआ, उसके कारण दुर्घटना हुई। यह किसने किया और कैसे हुआ, इसका पता लगाया जाएगा।' उचित जांच के बाद। उन्होंने आगे कहा कि बहाली का काम चल रहा है और बुधवार सुबह से पहले सामान्य स्थिति बहाल कर दी जाएगी. ₹रेलवे सुरक्षा आयुक्त ने मामले की जांच की है और मेरे लिए उस पर टिप्पणी करना सही नहीं होगा। जांच रिपोर्ट आने दीजिए। लेकिन दुर्घटना के कारणों की पहचान कर ली गई है और इसके लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान कर ली गई है। ठीक है। अब हमारा ध्यान बहाली पर है। दो मुख्य लाइनें और दो लूप लाइनें हैं। काम चल रहा है और हम बुधवार सुबह के अपने लक्ष्य से पहले निश्चित रूप से बहाली पूरी कर लेंगे।

ममता बनर्जी ने कवच को लेकर उठाए थे सवाल

वैष्णव ने कहा रेल मंत्री ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस आरोप को भी खारिज कर दिया कि दुर्घटना को कवच (टक्कर रोधी) उपकरण से टाला जा सकता था। उन्होंने कहा, 'इसका कवच से कोई लेना-देना नहीं है। कारण यह नहीं है कि ममता बनर्जी ने कल क्या कहा। उन्होंने समझ के अनुसार कहा इस बीच, आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार रात हुए इस हादसे में 288 लोगों की मौत हो गई और 1000 से अधिक लोग घायल हो गए। बालासोर जिले के बहनागा बाजार स्टेशन पर तीन अलग-अलग पटरियों पर तीन-तरफा दुर्घटना में बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, कोरोमंडल एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी शामिल थी।

कनेक्टिंग ट्रैक का काम चल रहा है

दक्षिण पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) आदित्य कुमार चौधरी ने कहा कि साइट पर बहाली का काम चल रहा है। उन्होंने कहा, ₹ढीली बोगियां हटा दी गई हैं...मालगाड़ी की दो बोगियां भी हटा दी गई हैं, एक तरफ से कनेक्टिंग ट्रैक का काम चल रहा है, काम जल्द से जल्द खत्म कर दिया जाएगा।₹ रेल मंत्रालय के अनुसार, बहाली का काम जोरों पर चल रहा है और अधिकारी दुर्घटना स्थल पर बहाली प्रक्रिया की बारीकी से निगरानी कर रहे हैं. करीब एक हजार से ज्यादा कर्मचारी काम में लगे हैं। मंत्रालय ने कहा कि सात से अधिक पोकलेन मशीनें, दो दुर्घटना राहत ट्रेनें, 3-4 रेलवे और रोड क्रेन तैनात हैं।

पैसेंजर ट्रेनों के 17 डिब्बे पटरी से उतर गए थे

त्रासदी पर प्रारंभिक रिपोर्ट में कहा गया है कि बालासोर जिले के बहानागा बाजार स्टेशन पर तीन अलग-अलग पटरियों पर बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस, कोरोमंडल एक्सप्रेस और एक मालगाड़ी में तीन-तरफ़ा दुर्घटना हुई। शुक्रवार शाम हुए हादसे में इन दोनों पैसेंजर ट्रेनों के 17 डिब्बे पटरी से उतर गए और गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गए। सात राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) की टीमें, पांच ओडिशा आपदा रैपिड एक्शन फोर्स (ओडीआरएएफ) इकाइयां और 24 अग्निशमन सेवाएं और आपातकालीन इकाइयां बचाव कार्यों में शामिल थीं। भारतीय वायु सेना (IAF) ने मृतकों और घायलों को निकालने के लिए Mi-17 हेलीकॉप्टर तैनात किए। पूर्वी कमान के अनुसार, IAF ने नागरिक प्रशासन और भारतीय रेलवे के साथ बचाव प्रयासों का समन्वय किया।

बालासोर में दुर्घटनास्थल पर पटरियों की मरम्मत की गई

सरकार ने रविवार को कहा कि बालासोर दुर्घटनास्थल पर अप और डाउन दोनों रेल पटरियों की मरम्मत कर दी गई है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने ट्वीट किया कि अप-लाइन को जोडऩे वाली पटरी को बहाल कर दिया गया है। वैष्णव ने रविवार को ट्वीट किया, अप-लाइन को जोडऩे वाली पटरी को शाम करीब पौने पांच बजे बहाल कर दिया गया। ओवरहेड बिजली लाइन की मरम्मत का काम शुरू हो गया है। इससे पहले रेल मंत्री ने ट्वीट कर कहा था कि हावड़ा को जोडऩे वाली डाउन लाइन को बहाल कर दिया गया है। अधिकारियों ने कहा कि अब कम से कम दो लाइन को ट्रेन के आवागमन के लिए दुरुस्त कर दिया गया है, लेकिन बालासोर दुर्घटनास्थल पर लूप लाइन सहित सभी पटरियों को ठीक करने के लिए और समय लगेगा। हालांकि, जब तक ओवरहेड इलेक्ट्रिक केबल की मरम्मत नहीं हो जाती, तब तक उन दो लाइन पर केवल डीजल इंजन चलाए जा सकते हैं, जिनकी मरम्मत की जा चुकी है। अधिकारियों ने कहा कि ओवरहेड बिजली लाइन की मरम्मत हो जाने के बाद इलेक्ट्रिक ट्रेन का संचालन बहाल हो सकता है। उन्होंने संकेत दिया कि इसमें और तीन दिन लगेंगे। बालासोर में शुक्रवार शाम हुए रेल हादसे में कम से कम 275 लोगों की मौत हो गई और घायलों की संख्या 1175 है। देश में पिछले करीब तीन दशकों में यह सबसे भयावह रेल हादसा है। हादसे में, बेंगलुरु-हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस और शालीमार-चेन्नई सेंट्रल कोरोमंडल एक्सप्रेस शामिल हैं।

'अमरनाथ यात्रा के पुख्ता इंतजाम' किए गए

श्रीनगर, (वार्ता)। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के महानिरीक्षक अशोक यादव ने शनिवार को कहा कि इस साल अमरनाथ यात्रा को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिए पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। आईजी बीएसएफ ने शनिवार को श्रीनगर में ट्यूलिप गार्डन से निशात तक वॉकथॉन कार्यक्रम आयोजित किया था। उन्होंने इस दौरान अलग से संवाददाताओं से कहा, 'सभी सुरक्षा एजेंसियां एक साथ एक समन्वित योजना बना रही हैं और बीएसएफ को जो भी भूमिका दी जा रही है, वह अमरनाथ यात्रा के शांतिपूर्ण और सुचारू संचालन को सुनिश्चित करेगी।' उन्होंने कहा कि 62 दिनों तक चलने वाली अमरनाथ यात्रा एक जुलाई से शुरू होगी और 31 अगस्त 2023 को समाप्त होगी। महानिरीक्षक ने कहा कि अमरनाथ यात्रा विभिन्न एजेंसियों का एक समन्वित प्रयास है, जो जम्मू-कश्मीर सरकार और जेके पुलिस के समग्र आदेश के तहत कश्मीर में काम कर रही हैं।

केदारनाथ धाम दर्शन को पहुंचे प्रसिद्ध क्रिकेटर इशांत शर्मा

चमोली (वार्ता)। प्रसिद्ध क्रिकेटर इशांत शर्मा ने केदारनाथ पहुंच कर भगवान भोलेनाथ बाबा केदार के दर्शन किये ।शनिवार को इशान्त शर्मा केदारनाथ पहुंचे ।उन्होंने बाबा केदार के दरबार में पहुंच कर पूजा - अर्चना की। बदरीनाथ- केदारनाथ मंदिर समिति मुख्य कार्याधिकारी योगेन्द्र सिंह ने ईशान्त का मंदिर में स्वागत किया। तथा भगवान केदारनाथ का प्रसाद भष्म, रूद्राक्ष माला भेंट की। क्रिकेटर ईशांत शर्मा तीर्थयात्रियों से भी मिले तथा उनके साथ सेल्फी लेनेवालों का हुजूम उमड़ा रहा। इस अवसर पर मंदिर समिति सदस्य महेंद्र शर्मा, कार्याधिकारी आरसी तिवारी, पुजारी शिवलिंग, ललित त्रिवेदी आदि मौजूद थे।

ओडिशा ट्रेन दुर्घटना: उत्तराखंड भाजपा के सभी कार्यक्रम स्थगित

देहरादून (वार्ता) ओड़िशा में हुए भीषण रेल दुर्घटना के बाद उत्तराखंड भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शोक व्यक्त करते हुए अपने महा जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत, होने वाले सभी कार्यक्रम स्थगित कर दिए हैं। साथ ही, हादसे में मृत यात्रियों को श्रद्धांजलि देने के कार्यक्रम रखे हैं। इस संबंध में शनिवार को पार्टी के मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने बताया कि यह दुर्घटना हुई काफी दुखद है। जिसके लिए पार्टी की ओर से ईश्वर से दिवंगत आत्माओ की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। उन्होंने बताया कि हताहतों को श्रद्धांजली देने के लिए राज्य के सभी जिला मुख्यालयों पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि आज होने वाले महा जनसंपर्क अभियान के तहत सभी कार्यक्रमों को प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के निर्देशानुसार स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।

प्रधानमंत्री मोदी ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने में व्यस्त, रेल सुरक्षा पर नहीं दे रहे हैं ध्यान: कांग्रेस अध्यक्ष खरगे

नई दिल्ली, (भाषा)। ओडिशा रेल हादसे के मद्देनजर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने रविवार को कटाक्ष करने के साथ ही आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ट्रेनों को हरी झंडी दिखाने में व्यस्त हैं और रेल सुरक्षा पर ध्यान नहीं दे रहे हैं।

खरगे ने भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाएं रोकने के लिए ऊपर से नीचे तक सभी पदों की जवाबदेही तय करने की भी अपील की। उन्होंने सिलसिलेवार ट्वीट में मोदी सरकार से सवाल किए और आरोप लगाया कि प्रचार पाने के हथकंडों ने मोदी सरकार के कार्य प्रणाली को ख़ोखला बना दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने रेलवे में तीन लाख़ पद खाली होने का जिक्र करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा भर्ती किए जाने वाले बड़े अधिकारियों के पद भी खाली हैं। उन्होंने सवाल किया कि बीते नौ वर्षों (केंद्र में मोदी सरकार के नौ वर्षों) में इन पदों को क्यों नहीं भरा गया।

उन्होंने यह उल्लेख किया कि रेलवे बोर्ड ने हाल में खुद स्वीकार किया है कि मानव संसाधन की भारी कमी के चलते लोको पायलट (ट्रेन चालक) का लंबी अवधि तक काम करना दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या का मुख्य कारण है। उन्होंने सवाल किया, ...तो फिर पद क्यों नहीं भरे गए। खरगे ने दावा किया कि दक्षिण पश्चिम रेलवे (एसडब्ल्यूआर) जोन (क्षेत्र) के प्रधान मुख्य परिचालन प्रबंधक ने मैसुरु में दो ट्रेनों के आपस में टकराने से बच जाने का जिक्र करते हुए आठ फरवरी 2023 को सिग्नल व्यवस्था दुरुस्त करने का आग्रह किया था। कांग्रेस अध्यक्ष ने सवाल किया, उस पर रेल मंत्रालय ने अमल क्यों नहीं किया। खरगे ने ट्वीट में कहा, संसदीय स्थाई समिति ने अपनी 323वीं रिपोर्ट में रेलवे सुरक्षा आयोग (सीआरएस) की सिफारिशों के प्रति रेलवे बोर्ड द्वारा की गई उपेक्षा के लिए रेलवे की आलोचना की थी। उन्होंने सवाल किया, यह कहा गया था कि सीआरएस केवल आठ से 10 प्रतिशत हादसों की जांच करता है, तो सीआरएस को मज़बूती क्यों नहीं प्रदान की गई। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, कैग (नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक) की ताज़ा ऑडिट रिपोर्ट के अनुसार, 2017-18 और 2020-21 के बीच 10 में से लगभग सात रेल दुर्घटनाएँ ट्रेनों के पटरी से उतरने की की वजह से हुई। 2017-21 में पूर्व तटीय रेलवे में सुरक्षा के लिए रेल मार्ग के रखरखाव का शून्य परीक्षण किया गया। उन्होंने सवाल किया, इसे दरकिनार क्यों कर दिया गया। उन्होंने कहा, कैग के अनुसार राष्ट्रीय रेल संरक्षा कोष में 79 प्रतिशत फंडिंग क्यों कम की गई, जबकि हर साल 20,000 करोड़ रुपए उपलब्ध कराया जाना था। (रेल) पटरी नवीकरण कार्यों की राशि में भारी गिरावट क्यों आई? खरगे ने कहा, भारत के रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड आर्गेनाइजेशन (आरडीएसओ) द्वारा 2011 में विकसित ट्रेन टक्कर बचाव प्रणाली का नाम मोदी सरकार ने बदलकर कवच कर दिया और मार्च 2022 में रेल मंत्री जी ने खुद इसका प्रदर्शन भी किया।

स्वामी, मुद्रक प्रकाशक/संपादक- विकास गर्ग ने भगवती प्रिंटिंग प्रेस, इंडस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार उत्तराखंड से मुद्रित करवाकर 54 आवास विकास, विवेक विहार, रानीपुर मोड़, हरिद्वार उत्तराखंड से प्रकाशित किया।
प्रकाशक / संपादक : विकास गर्ग- फोन : 9897766448, : मुख्य संपादक / सुमित तिवारी- फोन : 8077771906 : Email : uttarakhandprahari19@Gmail.com